भारत के गवर्नर-जनरल

लॉर्ड विलियम हेनरी कैवेंडिश-बेंटिंक (1828-1835)

1. भारत के प्रथम गवर्नर-जनरल → 1833 ई. के 'चार्टर एक्ट' द्वारा
2. नियम 17 → राजा राममोहन राय के सहयोग से 1829 में सती-प्रथा समाप्त.
3. 1835 → कलकत्ता में मेडिकल कॉलेज.
4. 1803 में मद्रास के गवर्नर → 1806 का 'वेल्लोर विद्रोह'
5. 1835 → विलियम बेंटिनक द्वारा 'ठगी एवं डकैती विभाग' बनाया गया और विलियम हेनरी स्लीमैन को इसका अधीक्षक बनाया गया।
6. 2 फरवरी 1835 → लॉर्ड मैकाले का मिनट → अंग्रेजी को शिक्षा का माध्यम
7. 1834 → प्रथम विधि आयोग → लॉर्ड थॉमस बैबिंगटन मैकाले
8. समानता (चार्टर एक्ट 1833) (Charter Act 1833) → केवल धर्म, जन्मस्थान, वंश या रंग के आधार पर कंपनी के अधीन किसी पद या सेवा से वंचित नहीं किया जाएगा.
9. भारतीयों की उच्च पदों पर नियुक्ति → 'सदर अमीन', जिसे 700 रु. प्रति माह तनख्वाह मिलती थी।
10. उच्च न्यायालयों में कामकाज की भाषा के रूप में 'फारसी' (Persian) को हटाकर 'अंग्रेजी' को लागू किया
11. रियासतों का विलय
    - मैसूर का विलय (1831): कथित प्रशासनिक अक्षमता के आधार पर किया गया।
    - कूर्ग - 1834: प्रत्यक्ष सैन्य विजय के माध्यम से विलय किया गया।
    - कछार का विलय (1834): राजा की बिना उत्तराधिकारी के मृत्यु होने

लॉर्ड विलियम बेंटिंक के प्रमुख सुधार

1. सती प्रथा का उन्मूलन (1829)

- नियम: सती विनियमन XVII
- विवरण: इस महत्वपूर्ण सामाजिक सुधार के तहत सती प्रथा (विधवा को जलाना) को अवैध घोषित किया गया और इसे दंडनीय अपराध बनाया गया।
- समर्थन: राजा राममोहन राय जैसे समाज सुधारकों ने इसका समर्थन किया।

2. ठगों का दमन

- मुख्य व्यक्ति: विलियम स्लीमन
- नियम: ठग्गी अधिनियम (1836)
- विवरण: ठगों (लुटेरों और हत्यारों के संगठित गिरोह) के खिलाफ सैन्य और पुलिस अभियान चलाकर उनका पूर्ण उन्मूलन किया गया।

3. शिक्षा सुधार (1835)

- नियम: अंग्रेजी शिक्षा अधिनियम
- विवरण: मैकाले के मिनट के आधार पर पश्चिमी शिक्षा को प्राथमिकता दी गई और उच्च शिक्षा में अंग्रेजी को माध्यम बनाया गया।

4. आधारभूत संरचना (Infrastructure) सुधार

- विवरण: स्टीम नेविगेशन की शुरुआत, सड़कों का विकास और रेलवे की प्रारंभिक अवधारणा
- उद्देश्य: व्यापार और प्रशासन को बेहतर बनाने के लिए संचार और परिवहन में सुधार करना।

5. न्यायिक सुधार (Judicial Reforms)

- विवरण: न्यायालय प्रणाली को सरल बनाया गया और भारतीयों को उच्च न्यायिक पदों पर नियुक्त किया गया
- उद्देश्य: न्याय व्यवस्था को अधिक प्रभावी, सस्ता और विकेंद्रीकृत बनाना।

6. राजस्व सुधार (Revenue Reforms)

- प्रणाली: महालवाड़ी व्यवस्था
- क्षेत्र: उत्तर-पश्चिमी प्रांत
- विवरण: इसमें भूमि कर का निर्धारण व्यक्तिगत के बजाय 'महाल' (गांव/समूह) के आधार पर किया गया, जो बंगाल की स्थायी व्यवस्था से अलग था।

चार्ल्स मेटकॉफ: 1835-1836

1. भारतीय प्रेस का मुक्तिदाता

- 1823 के कुख्यात 'लाइसेंसिंग रेगुलेशन' को पूरी तरह से रद्द कर दिया

लॉर्ड ऑकलैण्ड: 1836-1842: फॉरवर्ड पॉलिसी

1. त्रिपक्षीय संधि, 1838:

- लॉर्ड ऑकलैण्ड, महाराजा रणजीत सिंह और अपदस्थ अफगान शासक शाह शुजा
  - अफगानिस्तान शासक 'दोस्त मोहम्मद' को हटाकर 'शाह शुजा' को काबुल की गद्दी पर बिठाने का फैसला

2. प्रथम आंग्ल-अफगान युद्ध

- ब्रिटिश सेना को भारी नुकसान और बुरी तरह हार

3. तीर्थयात्रा कर की समाप्ति

4. ग्रैंड ट्रंक रोड का मरम्मत

5. भारतीय छात्रों को चिकित्सा की उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने (इंग्लैंड) की अनुमति और छात्रवृत्ति

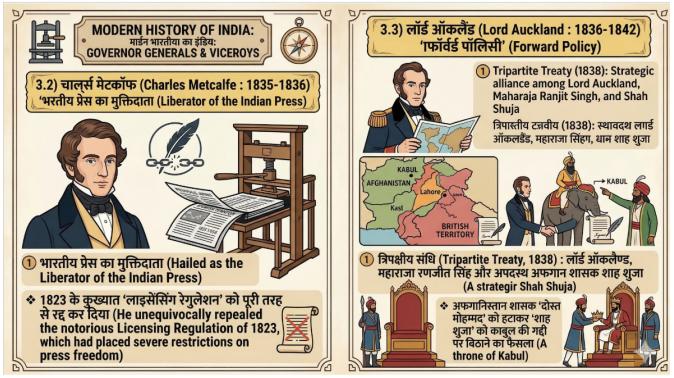

लॉर्ड एलिनबरो: 1842-1844

1. प्रथम आंग्ल-अफगान युद्ध समाप्त हुआ।
2. 1843 → चार्ल्स नेपियर के नेतृत्व में सिंध का विलय
3. 1843 के अधिनियम V → दास-प्रथा का उन्मूलन
   - संवैधानिक आधार → चार्टर एक्ट 1833
4. ग्वालियर के साथ युद्ध: 1843 → ग्वालियर (सिंधिया राज्य) में उत्तराधिकार को लेकर विवाद
5. 1843 → रविवार की छुट्टी
6. भारत में मिल मजदूरों को रविवार की छुट्टी दिलाने का श्रेय श्रमिक नेता नारायण मेघाजी लोखंडे को जाता है।
   - ब्रिटिश सरकार ने 1890 ई. में मिल मजदूरों के लिए भी रविवार को अवकाश

1. प्रथम आंग्ल-अफगान युद्ध का अंत (1842)

❖ घटना: अफगानिस्तान से वापसी

- विवरण: काबुल से ब्रिटिश सेना की विनाशकारी वापसी के बाद, एलनबरो ने "**प्रतिशोध की सेना**" का नेतृत्व कराया, जिसने काबुल लौटकर बंदियों को मुक्त कराया और ब्रिटिश प्रतिष्ठा बहाल की, इसके बाद सभी सैनिकों को भारत वापस बुला लिया गया।

2. सिंध का विलय (1843)

- मुख्य व्यक्ति: सर चार्ल्स नेपियर
- विवरण: पूर्व संधियों के बावजूद, नेपियर के नेतृत्व में ब्रिटिश सेना ने मियानी और डब्बो के युद्ध में सिंध के अमीरों को पराजित किया।
- परिणाम: सिंध को आधिकारिक रूप से ब्रिटिश साम्राज्य में मिला लिया गया, जिसे बिना उकसावे की आक्रामक कार्रवाई के रूप में व्यापक आलोचना मिली।

3. सोमनाथ मंदिर के द्वारों की वापसी (1842)

- प्रसंग: प्रतीकात्मक पुनर्स्थापन
- विवरण: एलनबरो ने अफगानिस्तान में महमूद गजनवी की कब्र से सोमनाथ मंदिर के चंदन के द्वार वापस लाने का आदेश दिया।
- महत्व: इसका उद्देश्य हिंदू जनता का समर्थन प्राप्त करना था, लेकिन ब्रिटेन में इसे एक दिखावटी और विवादास्पद कदम माना गया।

4. प्रशासनिक सुधार

- नागरिक (Civil):
  - आंतरिक कानून-व्यवस्था सुधारने के लिए पुलिस सुधारों पर ध्यान दिया।
- सैन्य:
  - अफगान युद्ध की असफलताओं के बाद सैन्य दक्षता को प्राथमिकता दी।
- आधारभूत संरचना:
  - सामान्य आधारभूत विकास और समुद्री परिवहन (स्टीमशिप) को बढ़ावा दिया।

लॉर्ड हार्डिंग प्रथम: 1844-1848

1. प्रथम आंग्ल-सिख युद्ध, 1845-1846 → अंग्रेज विजयी
   - मुदकी, फिरोजशाह, अलीवाल और सोबराओं → लाल सिंह और तेजा सिंह के विश्वासघात
2. इसने नरबलि प्रथा पर प्रतिबंध लगाया

जेम्स एंड्रयू ब्राउन-रैमसे, डलहौज़ी के प्रथम मार्क्विस (1848–1856)

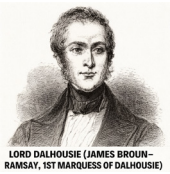

LORD DALHOUSIE (JAMES BROUN-RAMSAY, 1ST MARQUESS OF DALHOUSIE)

1. साम्राज्य विस्तार और आक्रामक नीतियां

- व्यपगत का सिद्धांत / हड़प नीति
- 29 मार्च, 1849 (29th March 1849) → द्वितीय आंग्ल-सिक्ख युद्ध (1848-1849) तथा पंजाब का ब्रिटिश शासन में विलय
  - रामनगर का युद्ध + चिलियावाला का युद्ध + गुजरात (चिनाव नदी)
- 1850 → सिक्किम के कुछ क्षेत्रों पर, विशेष रूप से दार्जिलिंग पर, ब्रिटिश आधिपत्य का विस्तार किया गया।
- 'इनाम कमीशन', 1852 → हजारों भारतीय जमींदारों की जागीरें छीन ली गई
- द्वितीय आंग्ल-बर्मा युद्ध (1852): बर्मा के निचले हिस्से (पेगू) पर अंग्रेजों का कब्जा
- 1856 → अवध का विलय → आउट्रम की रिपोर्ट के आधार पर 'कुशासन'

2. सैन्य और प्रशासनिक सुधार

- तोपखाने का मुख्यालय कलकत्ता से मेरठ स्थानांतरित किया गया।
- सेना का मुख्यालय → शिमला
- शिमला → भारत की ग्रीष्मकालीन राजधानी
- गोरखा रेजीमेंट का गठन किया गया।
- भारत में हिंदू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम, 1856 पारित किया गया।
  - डलहौजी ने इस बिल का मसौदा तैयार करवाया था, लेकिन 16 जुलाई 1856 को लॉर्ड कैनिंग के कार्यकाल में पारित हुआ। इसे अधिकारिक तौर पर '1856 का अधिनियम XV' (Act XV of 1856) कहा गया।
  - बंगाल के महान समाज सुधारक ईश्वर चंद्र विद्यासागर के अथक प्रयासों

3. 1854 → वुड डिस्पैच (भारतीय शिक्षा का मैग्ना कार्टा)

- सर चार्ल्स वुड → 'बोर्ड ऑफ कंट्रोल' के तत्कालीन अध्यक्ष
- 1855 → 'लोक शिक्षा विभाग'
- प्राथमिक शिक्षा → स्थानीय या मातृभाषा
- विश्वविद्यालयों की स्थापना, महिला शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा प्रस्ताव
- 1857 → कलकत्ता, बॉम्बे और मद्रास विश्वविद्यालय

4. 1853 → अधिकारियों की नियुक्ति के लिए प्रतियोगिता परीक्षा की व्यवस्था

- उम्र सीमा → 18 to 23 वर्ष
- सत्येन्द्रनाथ टैगोर (1863) → पहले भारतीय थे जिन्होंने सिविल सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त
- 1922 → इलाहाबाद (भारत) एवं लंदन दोनों स्थानों पर साथ-साथ सिविल सेवा परीक्षा

5. आधुनिक भारत की नींव

- भारतीय रेलवे की शुरुआत → 16 अप्रैल 1853 को भारत की पहली यात्री ट्रेन मुंबई के बोरीबंदर (अब CSMT) से ठाणे के बीच (लगभग 34 किलोमीटर) चलाई गई
- इलेक्ट्रिक टेलीग्राफ (Telegraph) → 1853 में कलकत्ता से आगरा के बीच पहली टेलीग्राफ लाइन शुरू की गई
- 'पोस्ट ऑफिस एक्ट 1854' → पहली बार भारत में डाक टिकट और पूरे देश में 2 पैसे की समान दर पर पत्र भेजने की सुविधा
- लोक निर्माण विभाग: 'गंग नहर' का निर्माण पूरा हुआ

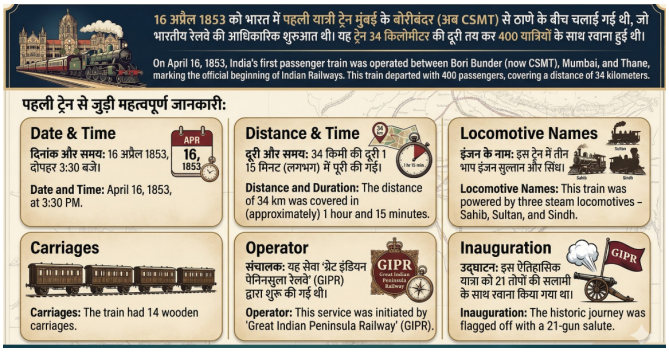

व्यपगत का सिद्धांत

1. व्यपगत → समाप्ति → "राजनीतिक सर्वोच्चता" के सिद्धांत पर आधारित
2. विशेषताएं
   - पुरुष उत्तराधिकारी के बिना राज्यों का विलय : यदि किसी देशी राज्य का शासक बिना प्राकृतिक उत्तराधिकारी के मरता था, तो वह राज्य ब्रिटिश शासन के अधीन "व्यपगत" माना जाता था।
   - दत्तक पुत्र को उत्तराधिकारी के रूप में स्वीकार नहीं किया।
   - दत्तक पुत्र केवल शासक की व्यक्तिगत संपत्ति और निजी संपत्तियों का ही उत्तराधिकारी हो सकता था।.

देशी रियासतें	*विलय का वर्ष*
1. सतारा	1848 : अप्पा साहेब
2. जैतपुर (उत्तर प्रदेश)	1849 : राजा खेत सिंह
3. संभलपुर (ओडिशा)	1849
4. बघाट (हिमाचल प्रदेश)	1850: वापस किया
5. उदैपुर (छत्तीसगढ़)	1852: वापस किया
6. झाँसी (उत्तर प्रदेश)	1853: गंगाधर राव + रानी लक्ष्मीबाई
7. नागपुर (महाराष्ट्र)	28 जनवरी 1854 : भोसले वंश
राजस्थान की करौली रियासत का विलय का प्रस्ताव डलहौजी द्वारा परिषद को भेजा गया। किन्तु परिषद ने प्रस्ताव अस्वीकार किया।	